अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 320 | श्री विजय पुरम, गुरूवार, 27 नवंबर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

भारत के चुनाव आयुक्त ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की

चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग के निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार द्वीपों में एसआईआर अभ्यास व्यवस्थित तरीके से किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की

"एसआईआर का लक्ष्य मतदाता सूची सटीक, समावेशी और डुप्लिकेट, मृत मतदाताओं या अयोग्य प्रविष्टियों जैसी त्रुटियों से मुक्त हो"

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

भारत के चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने आज सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में वर्तमान में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह और ज़िला चुनाव अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। एसआईआर भारत के चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों को अद्यतन और शुद्ध करने की एक पहल है और इसका उद्देश्य मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और डुप्लिकेट मतदाताओं की पहचान करके और उन्हें हटाकर सटीक और त्रुटि मुक्त मतदाता सूची बनाना है।

प्रारंभ में, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री एल. कुमार (आईएएस) ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की यात्रा पर चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी का स्वागत किया। इसके बाद, सीईओ ने एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में किए जा रहे एसआईआर अभ्यास का विस्तृत विवरण दिया, जिसका एकमात्र उद्देश्य एक मजबूत और सटीक मतदाता सूची तैयार करना है, जिसका उद्देश्य यह है कि "कोई भी पात्र नागरिक न छूटे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो"।

सीईओ ने कहा कि 27 अक्टूबर, 2025 तक मतदाताओं की संख्या 3,10,404 है, जिनमें से 1,60,523 पुरुष, 1,49,877 महिलाएं और 4 तीसरे लिंग के हैं। उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा करने के लिए डीईओ, ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ पर्यवेक्षक, बीएलओ और बीएलए को नियुक्त किया गया है। एसआईआर अभ्यास के सुचारू संचालन के लिए तीनों ज़िलों में एईआरओ, बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एसआईआर अभ्यास की समीक्षा पर, चुनाव आयुक्त, डॉ. विवेक जोशी ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा एक रणनीतिक अभ्यास है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में मतदाता सूचियों को पूरी तरह से अद्यतन करना, सत्यापित करना, हटाना और सही करना है। इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची सटीक, समावेशी और डुप्लिकेट, मृत मतदाताओं या अयोग्य प्रविष्टियों जैसी त्रुटियों से मुक्त हो। चुनाव आयुक्त ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एसआईआर अभ्यास चुनाव आयोग के निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि लगभग 896 मतदाताओं ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से गणना फॉर्म भरे हैं। समावेशी चुनावों के महत्व पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने अधिकारियों से युवा मतदाताओं के नामांकन की सुविधा के लिए चुनावी सेवाओं के लिए प्रौद्योगिकी के लाभ पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। चुनाव आयुक्त ने आगे कहा कि आयोग ने ईसीआई पोर्टल **https://voters.eci.gov.in/** पर जाकर आसान खोज के लिए नाम, संबंध, ज़िले के आधार पर अंतिम एसआईआर वाले मतदाताओं की मैपिंग के लिए लिप्यंतरण विकल्प जोड़कर ऑनलाइन खोज विकल्प को और सरल बना दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैठक में ज़िला निर्वाचन अधिकारी, दक्षिण अण्डमान, श्री अर्जुन शर्मा (आईएएस), ज़िला निर्वाचन अधिकारी, निकोबार श्री अमित काले (आईएएस) (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से), ज़िला निर्वाचन अधिकारी, उत्तर व मध्य अण्डमान श्री सुशांत पधा (आईएएस) (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से), श्रीमती प्रियंका कुमारी, ईआरओ, एएनआईपीसी, श्री कमलेश्वर राव एस (आईएएस), एईआरओ, सुश्री तृप्ति कलहंस, एईआरओ, श्री आशीष जून, एईआरओ, श्री रविंदर कुमार, उप सीईओ और अन्य सीईओ कार्यालय के अधिकारी शामिल हुए।

अपने–अपने क्षेत्रों में शत–प्रतिशत गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण, डिजिटलीकरण के लिए बीएलओ सम्मानित

मुख्य निर्वाचन अधिकारी की मतदाताओं से 4 दिसंबर से पहले अपने गणना प्रपत्र जमा करने की अपील

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

भारतीय के निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है। गणना चरण 4 नवम्बर, 2025 से प्रारंभ हुआ है और 4 दिसम्बर, 2025 को पूर्ण होगा। इस अवधि के दौरान, बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) अपने आवंटित भागों में घर–घर जाकर गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटलीकरण का कार्य कर रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि निम्नलिखित बूथ स्तर अधिकारियों ने अपने–अपने क्षेत्रों में गणना प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और डिजिटलीकरण का 100 प्रतिशत लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। उनके इस उत्कृष्ट समर्पण और कार्यकुशलता के सम्मानस्वरूप संबंधित ज़िला निर्वाचन अधिकारियों तथा सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों ने उन्हें प्रशंसा–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है।

क्र. सं.	ज़िला	तहसील	बीएलओ का नाम	भाग संख्या	नाम का हिस्सा
1	उत्तर व मध्य अण्डमान	डिगलीपुर	गेब्रियल टिर्की	55	ऑस्टिन–2
2		मायाबंदर	नोएल बारला	59	बोरंग
3			दया शंकर यादव	73	बुद्ध नाला
4			सुजॉय हलदर	84	कर्टबर्ट बे
5		रंगत	श्री स्वप्न कुमार रॉय	107	बनगांव
6			दिलीप मजूमदार	116	यर्टालजिग
7			रणजीत सोसन तिर्की	124	लोरोजिग
8			बिरसा उरांव	130	रैपर क्रीक
9			जॉनीयुराओन	131	अभयगढ़
10	दक्षिण अण्डमान	श्री विजय पुरम	अश्वथ एम.	132	स्ट्रेट आइलैंड
11			किरण	133	गोविंदनगर–1
12			मनीष श्री कुजूर	136	गोविंदनगर–4
13			बीना दास रॉय	137	विजयनगर–1
14			स्नेहा सिकदर	140	श्यामनगर–1
15			सुशांत सील	141	श्यामनगर–2
16			असीम भट्टाचार्य	144	नील केंद्र
17		फरारगंज	आरए अनीता कुमारी	329	इंदिरा नगर
18			जॉय मोंडल	333	वंडूर–2
19			अर्बासिनी बाला	334	वंडूर–3
20		लिटिल अण्डमान	सहेली चक्रवर्ती	339	डुगोंग क्रीक
21			गोपाल चंद्र मजूमदार	346	नेताजी नगर
22			राकेश कुमार	347	हटबे –1
23			वी. लक्ष्मण	348	हटबे –2
24			अनीता कुजूर	349	बटलर बे
25			लेस्ली के	354	हरमिंदर बे
26	निकोबार	कार निकोबार	सेवेरिना	369	किमियूस
27		ननकौड़ी	मनंदिनी बिस्वास	372	बंगाली
28			चंपकलता बिस्वास	373	इनाम
29			रिम्पा महतो	374	मिनयुक
30			वाई. ईश्वरी	375	चुकमची
31			बी. लोकेश्वर राव	378	पिलपिलो
32			फरज़ीना	382	विकास नगर
33			अन्ना माधुरी सोरेंग	384	हितुई
34			मैडोना	385	तपोंग
35			नियोमी	387	मुनाक
36			नीना	388	छोटा इनाक
37			अमित कुमार	389	मीनाक्षी रामनगर
38			फ्रैंक विलियम	392	ई–दीवार
39			हनंगेन	393	एबकचाल
40		कैम्पबेल बे	याईर	394	अफ्रा बे
41			पंकज	395	तकिया
42			बी. ढिल्ली राव	396	पिलोभा
43			पुनीत शुक्ला	397	पिलोपटिया
44			श्री सासांको बिस्वास	398	पिलोपांजा
45			संजय कुमार बिस्वास	399	मकाचुआ
46			पूनम	402	चिंगान
47			सुलेंद्र दास	404	गोविंदनगर–2
48			डी. लोकेश्वर राव	411	लॉफुल बे

प्राप्त विज्ञप्ति में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, श्री एल. कुमार (आईएएस) ने बीएलओ के उत्कृष्ट प्रदर्शन और समय पर कार्य पूर्ण करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने उन सभी मतदाताओं से भी अपील की, जिन्होंने अभी तक अपने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, कि वे शीघ्र ही अपने बीएलओ से संपर्क कर प्रक्रिया पूर्ण करें। मतदाता 1950 मतदान हेल्पलाइन पर कॉल करके भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आगे ज़ोर देकर कहा कि मतदाताओं को 4 दिसंबर, 2025 से पहले अपने गणना प्रपत्र अवश्य जमा करने चाहिए, ताकि उनका नाम 9 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित होने वाली मसौदा मतदाता सूची में शामिल हो सके।

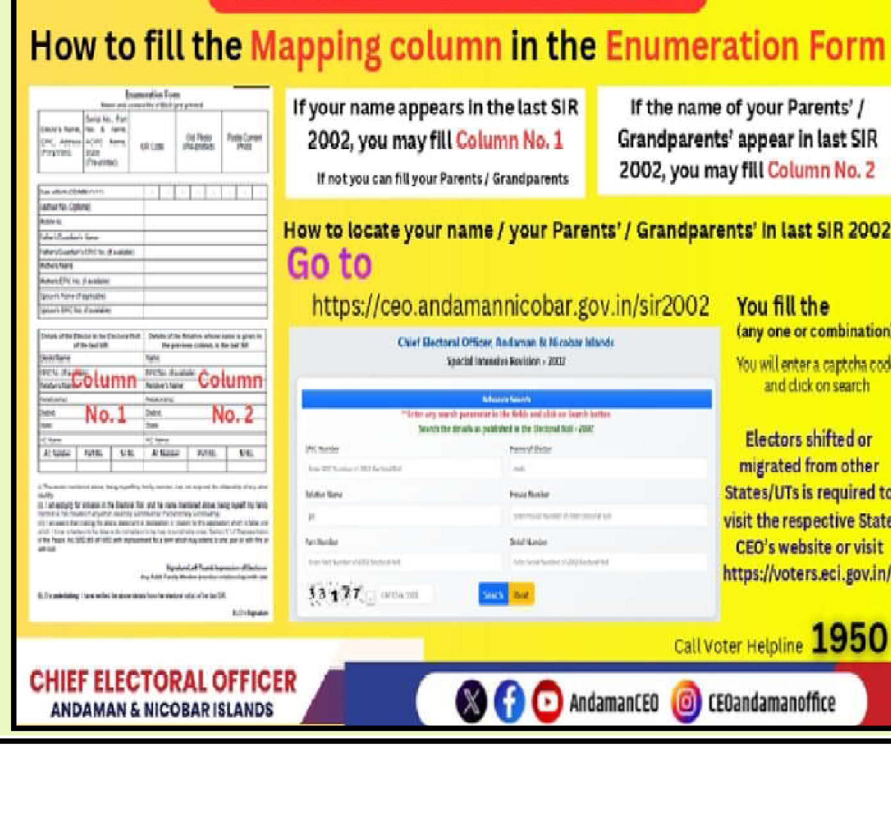

सुचारू, सुरक्षित और कुशल कार्गो बुकिंग और हैंडलिंग संचालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधितों से दिशा–निर्देशों का पालन करने का अनुरोध

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

यह देखा गया है कि बार–बार निर्देशों के बावजूद, मजदूरों/व्यापारियों द्वारा घाट पर लोडिंग के समय अतिरिक्त माल खरीदा जा रहा है। घाट पर सुरक्षित और कुशल कार्गो हैंडलिंग संचालन सुनिश्चित करने के लिए, जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने सभी हितधारकों/श्रमिकों/सरकारी एजेंसियों और आम जनता का सुचारू, सुरक्षित और कुशल कार्गो बुकिंग और हैंडलिंग संचालन सुनिश्चित करने के लिए नीचे दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए ध्यान में लाया है:

1. निर्धारित जहाज़ों के लिए कार्गो बुकिंग जहाज़ के निर्धारित प्रस्थान से तीन (3) दिन पहले तक स्वीकार की जाएगी। लोडिंग के दिन कोई बुकिंग नहीं की जाएगी और कार्गो बुकिंग विशेष रूप से जहाज़रानी सेवा निदेशालय के वाणिज्यिक विंग में की जाएगी। घाट पर किसी भी कार्गो बुकिंग पर विचार नहीं किया जाएगा।
2. बुकिंग की पुष्टि और समय संबंधी दिशानिर्देशों के पालन के अधीन, कार्गो को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सख्ती से स्वीकार और संभाला जाएगा।
3. सभी वाणिज्यिक कार्गो बुकिंग एक पंजीकृत फर्म/प्रतिष्ठान के नाम पर की जानी चाहिए। व्यक्तिगत सामान को छोड़कर किसी व्यक्ति के नाम पर बुकिंग स्वीकार नहीं की जाएगी।
4. सुबह की लोडिंग शिफ्ट के लिए कार्गो की डिलीवरी सुबह 10 बजे से पहले होनी चाहिए। दूसरी लोडिंग शिफ्ट के लिए कार्गो की डिलीवरी शाम 5 बजे से पहले होनी चाहिए।
5. यह देखा गया है कि घाट पर अतिरिक्त माल लाया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भीड़भाड़ और परिचालन संबंधी कठिनाइयाँ हो रही हैं। हितधारकों को निर्देश दिया जाता है कि वे केवल पुष्टि की गई बुकिंग/मेनिफेस्ट के अनुसार और पूरी तरह से अनुमत सीमा के भीतर ही कार्गो लाएं।
6. चेकिंग इंस्पेक्टरों और टैली क्लर्कों को यह सुनिश्चित करना होगा कि माल मैनिफेस्ट के अनुसार लोड किया जाना चाहिए। जहाज़ में कोई भी अतिरिक्त माल लादने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सुचारू पोत संचालन और कुशल कार्गो हैंडलिंग की सुविधा के लिए सभी संबंधितों से उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन करने का अनुरोध किया गया है।

टैगोर कॉलेज में एसआईआर पर हुआ जागरूकता सत्र

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

यहां के टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) द्वारा कल टैगोर कॉलेज के संकाय सदस्यों के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)' पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था, जबकि जागरूकता कार्यक्रम का दूसरा दौर आज प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र–शिक्षकों के बीच चुनावी प्रक्रिया के महत्व और भारत के चुनाव आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण गतिविधियों के बारे में समझ बढ़ाना है। डॉ. एन बालाकृष्णन,

नोडल अधिकारी (स्वीप) ने मतदान के अधिकार और एसआईआर के महत्व के बारे में अपने बहुमूल्य इनपुट से सभा को अवगत कराया। रिसोर्स पर्सन श्री राजा राम और श्री सेंथिल, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स ने प्रतिभागियों को मतदाताओं के लिए पात्रता मानदंड, गणना प्रक्रिया की विस्तृत व्याख्या के बारे में बताया और गणना फॉर्म भरने की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सत्र में सक्रिय मतदाता भागीदारी के मूल्य, मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान लॉ कॉलेज के छात्रों ने राष्ट्रीय विधि दिवस पर निकाली रैली

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

अण्डमान लॉ कॉलेज ने राज्य विधि सेवा प्राधिकरण, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सहयोग से 26 नवम्बर, 2025 को राष्ट्रीय विधि दिवस के उपलक्ष्य में रैली का आयोजन किया। अण्डमान लॉ कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी और छात्र–छात्राओं के साथ–साथ राज्य विधि सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी, पदाधिकारी एवं पैरा–लीगल स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कलकत्ता उच्च न्यायालय, सर्किट बेंच, पोर्ट ब्लेयर के रजिस्ट्रार श्री राशिद आलम ने अण्डमान लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पी. वी. एन. सरमा की उपस्थिति में नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लगभग 200 छात्र–छात्राओं ने संकाय सदस्यों के नेतृत्व में भाग लिया। राज्य विधि सेवा प्राधिकरण के पैरा–लीगल स्वयंसेवक भी रैली में शामिल हुए। छात्रों ने 'मेरा संविधान, मेरा स्वाभिमान' सहित कई नारों को ज़ोर–शोर से बुलंद किया। शारीरिक शिक्षा निदेशक डॉ. राजीव मंडल, लेखा अधिकारी जवाहर मंडल तथा संकाय सदस्य सुश्री अक्षया, सुश्री अल्कुमा, सुश्री औघ्या, डॉ. बलरामलिंगम, डॉ. लोगनधम, सुश्री निशा, सुश्री वर्षा, श्री रोहित, श्री सशिभूषण और श्री आसिफ ने जुलूस का नेतृत्व किया। रैली घंटा घर और गांधी प्रतिमा होते हुए कॉलेज परिसर तक पहुँची।प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कॉलेज परिसर में छात्रों ने सामूहिक रूप से प्रस्तावना का वाचन किया। प्राचार्य ने प्रस्तावना की शपथ दिलाई। इस अवसर पर वाद–विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण और नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्रों ने सभी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर 1 दिसम्बर को निकलेगी रैली

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

वर्ष 1988 से विश्व एड्स दिवस प्रत्येक वर्ष 1 दिसम्बर को मनाया जा रहा है। यह एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसका उद्देश्य एचआईवी और एड्स के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना, रोकथाम और उपचार में हुई प्रगति को उजागर करना तथा बीमारी से जुड़े कलंक और भेदभाव से लड़ना है। वर्ष 2025 के विश्व एड्स दिवस की थीम "विघटन पर विजय, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन" है। यह थीम एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की वैश्विक प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जिसके लिए रोकथाम, उपचार और देखभाल के मौजूदा दृष्टिकोणों को पुनर्निर्मित करने की आवश्यकता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर के तहत, अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा द्वीपसमूह में विभिन्न जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिसमें समाज के सभी वर्गों, विशेषकर युवाओं और किशोरों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्य गतिविधियों में से एक 1 दिसम्बर, 2025 (सोमवार) को सुबह 7 बजे स्कूल और कॉलेज के छात्रों द्वारा लाल टी–शर्ट और लाल कैप पहनकर निकाली जाने वाली रैली है। यह रैली नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम से शुरू होगी और वीर सावरकर पार्क के सामने राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल पर समाप्त होगी। रैली के प्रतिभागी सुबह 6 बजे तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम पहुँच जाएंगे। करीब 20 स्कूलों और 11 कॉलेजों के लगभग 600 छात्रों के भाग लेने की उम्मीद है। रैली को अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की स्वास्थ्य सचिव श्रीमती ऋचा द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा, जो इस अवसर की मुख्य अतिथि होंगी। डॉ. (श्रीमती) सुजा एंटनी, सीएमओ (एनएफएसजी), स्वास्थ्य सेवा निदेशक, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन इस अवसर की विशिष्ट अतिथि होंगी। रैली शुरू होने से पूर्व, छात्र नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम के मैदान में एकत्र होकर एचआईवी और रेड रिबन का आकार बनाएंगे, जिसके बाद रैली प्रारंभ होगी। रैली सुबह 7.30 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम से प्रारंभ होकर घंटा घर, मॉडल स्कूल, बंगाली क्लब होते हुए उसी मार्ग से वापस लौटेगी और वीर सावरकर पार्क के सामने राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल पर समाप्त होगी। रैली के साथ एक सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैन भी होगी, जो मार्गभर जन–सूचना प्रणाली के माध्यम से एचआईवी और एड्स से संबंधित जागरूकता संदेश प्रसारित करेगी।

हम्फ्रीगंज स्कूल में बच्चों के लिए साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

महिला सशक्तिकरण राज्य केन्द्र (एसएचईडब्ल्यू) ने 25 नवम्बर, 2025 को राजकीय प्रवर माध्यमिक विद्यालय, हम्फ्रीगंज, दक्षिण अण्डमान में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 157 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम बच्चों के लिए आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री हेमलता (जेंडर स्पेशलिस्ट, एसएचईडब्ल्यू) ने कहा कि आज के बच्चे तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल वातावरण में बड़े हो रहे हैं और बच्चों को साइबर जागरूकता प्रदान करना केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारी ज़िम्मेदारी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रत्येक बच्चा ऑनलाइन दुनिया के अवसरों और जोखिमों दोनों को समझे। डॉ. नीतु सिंधु (राज्य मिशन समन्वयक, एसएचईडब्ल्यू) ने ऑनलाइन गतिविधियों की ज़िम्मेदार निगरानी, सहायक वातावरण बनाने और बच्चों में डिजिटल तनाव के शुरुआती संकेतों को पहचानने पर सत्र आयोजित किया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस पहल की मुख्याध्यापिका श्रीमती शरीला यूनुस और अन्य शिक्षकों ने सराहना की, जिन्होंने इंटरनेट उपयोग में बढ़ा हुआ आत्मविश्वास भी व्यक्त किया। महिला सशक्तिकरण राज्य केन्द्र ने यह कार्यक्रम, समाज कल्याण निदेशक श्री रविंदर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया। यह पहल बच्चों और किशोरों में डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन व्यवहार और ज़िम्मेदार तकनीकी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एसएचईडब्ल्यू के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

यूपीएससी उम्मीदवारों के लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

शिक्षा निदेशालय 29 नवंबर, 2025 को सुबह 9 बजे राज्य पुस्तकालय, श्री विजय पुरम के सम्मेलन हॉल में यूपीएससी उम्मीदवारों के लिए एक मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित करेगा। सभी छात्र जो यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं या इसमें शामिल होने की योजना बना रहे हैं, उन्हें इस पहल में भाग लेने और लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सत्र के दौरान, यूपीएससी सलाहकार और आईएएस अधिकारी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे।

प्राणी सर्वेक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करेगा

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र और द्वीप जैव विविधता पर ईआईएसीपी केंद्र 27 से 29 नवंबर, 2025 के दौरान पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "वानिकी प्रशिक्षण और क्षमता विकास" के तहत "द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र के तटीय और समुद्री जैव विविधता" पर अन्य सेवाओं के कर्मियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करेंगे। इसमें भारतीय तट रक्षक, आईएनएस जारवा, भारतीय सेना, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस, पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, भ्रष्टाचार निवारण इकाई, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा, शिक्षा और अण्डमान तथा लक्षद्वीप बंदरगाह संकर्म से 20 प्रतिभागी होंगे।

ओपन स्टेट ताइक्वांडो चैम्पियनशिप सह चयन ट्रायल

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

अण्डमान तथा निकोबार ताइक्वांडो एसोसिएशन (एएनटीकेडी) ने राज्य ओलंपिक एसोसिएशन की सहायता से 6 और 7 दिसंबर, 2025 को श्री विजय पुरम में ओपन स्टेट ताइक्वांडो सब–जूनियर (कैडेट), जूनियर और सीनियर चैंपियनशिप–सह–चयन ट्रायल–2025 आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है। प्राप्त विज्ञप्ति में सभी इच्छुक एथलीटों/क्लबों/इकाइयों/विभाग और संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि वे 4 दिसंबर, 2025 तक Google फॉर्म के माध्यम से अपनी प्रविष्टियां पंजीकृत करें। प्रविष्टि जमा करते समय, सही और वर्तमान वजन का उल्लेख किया जा सकता है। गलत/अपूर्ण पाई गई जानकारी को भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। फॉर्म तक पहुंच के लिए प्रतिभागियों को एसोसिएशन के व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से Google फॉर्म लिंक प्रदान किया जाएगा या प्रतिभागी 4 दिसंबर, 2025 को या उससे पहले कार्यालय समय के दौरान राज्य ओलंपिक संघ, नेताजी स्टेडियम में संपर्क कर सकते हैं।

टैगोर कॉलेज में एसआईआर पर हुआ जागरूकता सत्र

———पृष्ठ 1 का शेष

करने में नागरिकों की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया गया। सत्र में संकाय सदस्यों, छात्र–शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मंजुलता और नोडल अधिकारी (ईएलसी) सुश्री इशरत यूसुफ ने छात्रों को सूचित रहने और लोकतांत्रिक प्रथाओं में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

द्वीपों में चार सौ से अधिक लिंग–आधारित वीर्य गर्भाधान के परिणामस्वरूप सत्रह स्वस्थ मादा बछड़ों का जन्म हुआ

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत जुलाई, 2024 में शुरू किए गए सेक्स–सॉर्टेड सीमेन (एबीआईपी–एसएसएस) का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम की निरंतर सफलता पर प्रकाश डाला है। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने उत्तर व मध्य अण्डमान, दक्षिण अण्डमान तथा निकोबार ज़िलों में चार सौ से अधिक लिंग–आधारित वीर्य गर्भाधान किए हैं, जिससे उन्नत प्रजनन तकनीक सीधे द्वीप के किसानों के द्वार तक पहुंच गई है।

अकेले पिछले छह महीनों में, डिगलीपुर से कैंपबेल बे तक फैले गांवों में इस कार्यक्रम के तहत सत्रह स्वस्थ मादा बछड़ों का जन्म हुआ है। ये सत्रह जन्म इस पहल के अब तक के सबसे गहन और सफल चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं, वर्तमान में कई गर्भधारण प्रगति पर हैं। एबीआईपी–एसएसएस कार्यक्रम अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करता है जो वीर्य में एक्स और वाई गुणसूत्रों को अलग करता है, जिससे मादा बछड़ा उत्पादन की नब्बे से तिरानवे प्रतिशत संभावना होती है। जर्सी□गिर क्रॉस, जर्सी□साहिवाल क्रॉस और 100 प्रतिशत जर्सी बैलों के उच्च–आनुवंशिक–योग्यता वाले लिंग–सॉर्टेड वीर्य को केवल 250 रुपये प्रति खुराक (मूल लागत 675 रुपये) की अत्यधिक रियायती दर पर उपलब्ध कराया जाता है, शेष राशि विभाग वहन करता है। किसानों के लिए जोखिम को और कम करने के लिए, यदि पहले प्रयास में गर्भधारण नहीं होता है, तो उसी नाममात्र दर पर दूसरी खुराक प्रदान की जाती है। यदि दोनों प्रयास विफल हो जाते हैं, तो किसान द्वारा दोनों खुराक के लिए भुगतान की गई पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। इस किसान–हितैषी नीति ने कार्यक्रम में भागीदारी को काफी प्रोत्साहित किया है।

यह तकनीक द्वीपों के किसानों को कई फायदे प्रदान करती है, जिनमें तेजी से झुंड विस्तार के लिए मादा संतान की गारंटी, उष्णकटिबंधीय द्वीप की स्थितियों के लिए अनुकूल आनुवंशिक रूप से बेहतर जानवरों से उच्च दूध की पैदावार, अवांछित नर बछड़ों का उन्मूलन, पालन–पोषण की लागत में कमी और जब बछड़े स्तनपान करना शुरू करते हैं तो तीन से चार साल के भीतर आय में काफी सुधार होना आदि शामिल हैं।

जिन किसानों को ये बहुमूल्य मादा बछड़े मिले हैं, वे ऐसी उन्नत तकनीक को सुलभ और किफ़ायती बनाने के लिए विभाग के प्रति गहरी संतुष्टि और आभार व्यक्त करते हैं। लगातार सफलता और अद्वितीय रिफंड नीति ने जबरदस्त उत्साह पैदा किया है और कई किसानों को कार्यक्रम के लिए अपने जानवरों को पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के प्रबंधक (पशु प्रजनन) श्री कृष्ण मोहन बेउरा ने 17 से 19 नवंबर, 2025 तक द्वीपों का निगरानी दौरा किया। यात्रा के दौरान, तीन यादृच्छिक रूप से चयनित कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों का निरीक्षण किया गया जहां परियोजना के तहत बछड़ों को दर्ज़ किया गया है। श्री बेउरा ने व्यक्तिगत रूप से भारत पशुधन ऐप में ब्याने की प्रविष्टियों वाले सभी जानवरों का, लिंग–आधारित वीर्य से गर्भाधान किए गए जानवरों का सत्यापन किया और क्षेत्र–स्तरीय परिणामों के उचित कार्यान्वयन और प्रामाणिक रिकॉर्डिंग पर संतोष व्यक्त किया।

पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग निरंतर जागरूकता अभियान, एआई तकनीशियनों के उन्नत प्रशिक्षण और गुणवत्ता वाले लिंग–आधारित वीर्य की निर्बाध आपूर्ति के माध्यम से एबीआईपी–एसएसएस की पहुंच को और विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है। लक्ष्य हर महीने पैदा होने वाली मादा बछड़ों की संख्या में लगातार वृद्धि करना और द्वीपों में दीर्घकालिक दूध आत्मनिर्भरता के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना है।

पिछले छह महीनों में सत्रह मादा बछड़ों का जन्म, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर विधिवत सत्यापन किया गया है, कार्यक्रम की प्रभावशीलता और क्षेत्र टीमों के समर्पण का स्पष्ट प्रमाण है। यह डेयरी फार्मिंग को बदलने, ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए समृद्ध, दूध–पर्याप्त भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग सभी डेयरी किसानों को अपनी प्रजनन योग्य गायों को निकटतम पशु औषधालय या अस्पताल में पंजीकृत करने और पूर्ण धन–वापसी आश्वासन के साथ अत्यधिक रियायती लागत पर इस क्रांतिकारी तकनीक का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करता है।

द्वीपों में क्षेत्र–विशिष्ट केले की किस्मों के लिए टिशू कल्चर प्रोटोकॉल विकसित करने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए चार अधिकारी प्रतिनियुक्त

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

कृषि विभाग ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के क्षेत्र–विशिष्ट केले की किस्मों के लिए टिशू कल्चर प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए आईसीएआर–राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीबी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में 24 से 29 नवंबर, 2025 तक 6 दिनों के व्यावहारिक प्रशिक्षण से गुजरने के लिए 4 अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया है। अधिकारियों को क्षेत्र–विशिष्ट केले की किस्मों जैसे कोरंगी केले जिसे हिल केला कहा जाता है, सबसे स्वादिष्ट किस्म और लाल केले जिसे चेन्काडाली/चेव्वाझाई कहा जाता है, के टिशू कल्चर प्रोटोकॉल के विकास के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण उन्नत वैज्ञानिक तरीकों से स्थानीय केले की किस्मों की खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जैविक बागवानी प्रक्षेत्र, सीपीघाट में स्थित मौजूदा ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला स्वस्थ और रोग मुक्त ऊतक–संवर्धित केले के पौधे पैदा करने के लिए अत्याधुनिक सुविधा से पूरी तरह सुसज्जित है। तकनीकी क्षमता में इस उन्नयन के साथ, विभाग का लक्ष्य स्थायी खेती प्रथाओं को बढ़ावा देने और फसल उत्पादकता में सुधार करके, द्वीपों के किसानों को स्थानीय केले की किस्मों के उच्च गुणवत्ता वाले ऊतक–संवर्धित पौधों की लगातार और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करना है। जैसे–जैसे प्रशिक्षण आगे बढ़ता है, विभाग उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय किसानों को समर्थन बढ़ाने के लिए तत्पर है। उन्नत तकनीकी कौशल और बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता स्थानीय किसानों को सशक्त बनाएगी, स्वदेशी किस्मों की सुरक्षा करेगी और पूरे द्वीपों में उत्पादकता में सुधार करेगी।

निकोबार द्वीपसमूह में होगी भारी वर्षा

श्री विजय पुरम, 26 नवम्बर

निकोबार द्वीप पर एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7 से 20 सेमी) होने की संभावना है। 27 नवंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक या दो स्थानों पर तेज़ हवा (50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। निकोबार द्वीप पर एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (7 से 11 सेमी) होने की संभावना है। 28 नवंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक या दो स्थानों पर तेज़ हवा (50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। निकोबार द्वीप पर एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (7 से 11 सेमी) होने की संभावना है। 29 नवंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक या दो स्थानों पर तेज़ हवा (40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। निकोबार द्वीपसमूह में बहुत भारी बारिश (12 से 20 सेमी) होने की संभावना है और 27 नवंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में बिजली और तेज़ हवा (50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

आपदा प्रबंधन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 28 और 29 नवंबर को निकोबार द्वीपसमूह में भारी बारिश (07 से 11 सेमी) और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में बिजली और तेज हवाओं (50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे) के साथ तूफान की संभावना है। श्री विजय पुरम बंदरगाह पर स्थानीय चेतावनी संकेत संख्या–3 फहराया गया है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, मीठाखाड़ी की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते हैं।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/जीईएन/2025–26/148

कार्य का नाम : ओग्राब्राज में एटीआर से अब्दुल कादर के घर तक मौजूदा सड़क के साथ सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य, ओग्राब्राज में एटीआर से पी के हमज़ा के घर तक सी सी सड़क का नवीनीकरण और मीठाखाड़ी ग्राम पंचायत के अंतर्गत ओग्राब्राज में जुल्मत अली के घर से पानी डिग्गी तक मौजूदा सी सी सड़क के साथ सी सी नाला का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 8,63,587/–, धरोहर राशि : रु. 17,272/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 02/12/2025 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_20728_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, मीठाखाड़ी की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते हैं।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/आर आर/2025–26/149

कार्य का नाम : मीठाखाड़ी ग्राम पंचायत के अंतर्गत मीठाखाड़ी 05 में अलोनिफ रोड से स्व. संत राम के घर तक सी सी रोड का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 6,24,318/–, धरोहर राशि : रु. 12,486/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 02/12/2025 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_20730_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, मन्नारघाट की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते हैं।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/जीईएन/2025–26/122

कार्य का नाम : मन्नारघाट, ग्राम पंचायत के अंतर्गत राइटम्यो में सामुदायिक भवन का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 7,79,832/–, धरोहर राशि : रु. 15,597/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 02/12/2025 के सायं 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2025_RDPRI_20725_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

भारत इंटरनेट गवर्नेंस फ़ोरम का आयोजन आज से

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

भारत इंटरनेट गवर्नेंस फ़ोरम (आईआईजीएफ) का पांचवां संस्करण 27 से 28 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित होगा। आईआईजीएफ के पहले दिन का आयोजन इंडिया हैबिटेट सेंटर में होगा, जबकि दूसरे दिन की कार्यवाही इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में होगी। इस बहु–हितधारक कार्यक्रम में सरकारी विभागों, तकनीकी कंपनियों, नागरिक समाज समूहों, विश्वविद्यालयों और नीतिगत हलकों के प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को भारत में इंटरनेट की दिशा पर चर्चा करने और उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक साथ लाना है जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

इस वर्ष का विषय "समावेशी और टिकाऊ विकसित भारत में इंटरनेट केंद्रित शासन को बढ़ावा देना" है। चर्चाएं तीन प्रमुख उप–विषयों पर केंद्रित होंगी : समावेशी डिजिटल भविष्य, सुदृढ़ और टिकाऊ विकास के लिए डिजिटल अवसंरचना, और लोगों, धरती तथा प्रगति के लिए एआई, जिसमें एआई के सुरक्षित, ज़िम्मेदार और सार्थक उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री जितिन प्रसाद, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री; श्री सुशील पाल, संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, और डॉ. देवेश त्यागी, सीईओ, निक्सी की उपस्थिति में करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र आईजीएफ, मेटा, गूगल क्लाउड, सीसीएओआई और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के वक्ता कार्यक्रम में चर्चाओं का नेतृत्व करेंगे। दो दिवसीय इस फोरम में चार पैनल चर्चाएं और बारह कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जो क्षेत्रीय, नीतिगत और सामुदायिक स्तर पर विचार–विमर्श के लिए मंच प्रदान करेंगी।

मीडिया के सदस्यों, हितधारकों और प्रतिभागियों को आईआईजीएफ 2025 में शामिल होने और भारत के डिजिटल परितंत्र के भविष्य को आकार देने वाली चर्चाओं का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान हाई–टेक वार सिमुलेशन में कर रहे हैं शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

फ्रांस व भारतीय वायु सेना द्विपक्षीय वायु अभ्यास 'गरुड़ 25' में भाग ले रही है। भारतीय वायुसेना और फ्रांस की एयर एंड स्पेस फोर्स के बीच यह संयुक्त युद्धाभ्यास अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। युद्धाभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना के सुखोई (एसयू–30 एमकेआई) लड़ाकू विमानों ने फ्रांस के बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों के साथ जटिल कृत्रिम हवाई युद्ध परिदृश्यों में उड़ान भरी। इस दौरान हवाई हमलों का जबरदस्त अभ्यास किया गया। हवा से हवा में युद्ध, वायु रक्षा और संयुक्त हमला अभियानों पर केंद्रित, प्रचालन को अंजाम दिया गया है।

वायुसेना का यह अभियान फ्रांस में चल रहा है। यहां फ्रांस में दोनों देशों के पायलट व तकनीकी दल अत्यंत उच्च स्तर की संचालन क्षमता बनाए हुए हैं। इस दौरान दोनों वायु सेनाओं के दल विभिन्न प्रकार के मिशन प्रोफाइल को सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं। इन मिशनों में एयर–टू–एयर कॉम्बैट, एयर डिफेंस, लंबी दूरी की स्ट्राइक मिशन, एयर–टू–ग्राउंड समन्वय और रणनीतिक एयर ऑपरेशंस शामिल हैं।

अभ्यास के दौरान भारतीय वायुसेना और फ्रेंच एयर एंड स्पेस फोर्स की टीमों ने पूर्ण तालमेल के साथ कार्य करते हुए असाधारण पेशेवर दक्षता और सटीकता का परिचय दिया। जटिल परिस्थितियों में भी दोनों देशों के पायलटों ने बेहतरीन निर्णय क्षमता और मिशन एक्सेक्यूशन कौशल प्रदर्शित किया। यह अभ्यास इंटरऑपरेबिलिटी अर्थात संयुक्त रूप से ऑपरेशन संचालित करने की क्षमता को और मजबूत बनाता है।

भारतीय वायुसेना के अनुसार इस संयुक्त सैन्य अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच रणनीतिक समझ, आधुनिक युद्धक तकनीकों के आदान–प्रदान और

संयुक्त ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान दोनों पक्षों ने उन्नत प्लेटफॉर्म, हथियार प्रणालियों और संचार नेटवर्क के उपयोग पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया, जिससे रियल–टाइम को–आर्डिनेशन और मिशन–प्लानिंग बेहद प्रभावी रही।

फ्रेंच दल के साथ यह सहयोग न केवल सामरिक स्तर पर महत्वपूर्ण है बल्कि दोनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी को और मजबूती प्रदान करता है। वहीं फ्रांस की एयर एंड स्पेस फोर्स ने भी भारतीय वायुसेना की तैयारी, पेशेवर रवैये और आधुनिक क्षमताओं की प्रशंसा की है। यह द्विपक्षीय अभ्यास भारत–फ्रांस रक्षा सहयोग की मजबूती, पारस्परिक विश्वास और व्यापक रणनीतिक साझेदारी का प्रमाण है।

विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती यह समझ दोनों देशों की वायु सेनाओं को भविष्य के संयुक्त मिशनों और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में और सक्षम बनाएगी। गौरतलब है कि फ्रांस के मॉंट–डे–मार्सन में भारतीय वायुसेना 16 नवंबर से यह अभ्यास कर रही है। यह अभ्यास 27 नवंबर तक जारी रहेगा। भारतीय वायुसेना की टुकड़ी यहां 10 नवंबर को फ्रांस पहुंची थी। अभ्यास के इंडक्शन और डी– इंडक्शन चरणों के लिए सी–17 ग्लोबमास्टर द्वारा एयरलिफ्ट सहायता प्रदान की गई।

डेयरी क्षेत्र देश का आधार स्तंभ है और इसकी समृद्धि गांवों और किसानों से होती है–केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा है कि डेयरी क्षेत्र देश का आधार स्तंभ है और इसकी समृद्धि गांवों और किसानों से होती है। नई दिल्ली में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस समारोह में डॉ. बघेल ने कहा कि भारत दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा मात्रा में दूध का उत्पादन करता है। उन्होंने श्वेत क्रांति के जनक वर्गीज़ कुरियन के सराहनीय कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि श्वेत क्रांति ने किसानों को बिचौलियों से मुक्त कराया और उनके काम को सम्मान दिया।

इस दौरान उन्होंने 15 राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर पशुधन और डेयरी क्षेत्रों को मज़बूत बनाने के उद्देश्य से कई प्रमुख पहलों का भी शुभारंभ किया गया। इनमें 9 नस्ल गुणन फार्मों का लोकार्पण, बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी का शुभारंभ और नीति नियोजन के लिए अद्यतन और व्यापक आंकड़े उपलब्ध कराना शामिल है। श्री बघेल ने मोहाली मिल्क यूनियन मिल्क फेडरेशन के 20 राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम–सहायता प्राप्त दूध टैंकरों को रवाना किया।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले में 4500 साल पुरानी सभ्यता के मिले प्रमाण

झुंझुनूं, 26 नवम्बर।

राजस्थान के झुंझुनूं जिला मुख्यालय से करीब 65 किलोमीटर दूर बांसियाल गांव में इतिहास की धड़कनें फिर सुनाई दी हैं। यहां लगभग साढ़े चार हजार साल पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। उत्खनन में लाइम पाउडर से बनी दीवारें, तांबे की रिंग, हड्डी के औजार और आभूषण जैसी सामग्री सामने आई है, जो एक उन्नत जीवन का संकेत देती है।

पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार यह स्थल ताम्र पाषाणिक संस्कृति से जुड़ा है। यहां के लोग हड़प्पा सभ्यता से व्यापार करते थे। इसके साथ ही गुजरात, हरियाणा और राजस्थान के अन्य इलाकों से भी रिश्ते थे। प्रारंभिक अंतर–सांस्कृतिक संपर्कों का यह केंद्र गणेश्वर सभ्यता का हिस्सा माना जा रहा है, यह हड़प्पा सभ्यता के समय के आस–पास की मानी जा रही है।

गौरतलब है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की अनुमति से दीर्घकालिक अनुसंधान परियोजना के तहत उत्खनन किया जा रहा है। यहां 4 साल से सर्वे का काम चल रहा था। सर्वे पूरा होने के बाद अक्टूबर में उत्खनन शुरू किया गया था।

बस्ती के निकट ही गोलाकार गड्ढे में कचरे का निस्तारण करते थे। इन गड्ढों में हड्डी और मिट्टी के बर्तनों के अवशेष मिले हैं। खास बात यह है कि यह लोग कचरा पात्र को भी ढककर रखते थे। उत्खनन में कार्नेलियन पत्थर से बने

मनके मिले हैं। ऐसे मनके गुजरात में मिलते थे। इससे साफ है कि ये लोग गुजरात से व्यापार करते थे।

शोधकर्ता डॉ. ईशा प्रसाद और डॉ. श्वेता सिन्हा देशपांडे ने बताया कि बांसियाल में पहली बार बस्ती के भीतर की संरचनाओं के साक्ष्य मिले हैं, जहां स्पष्ट कुटी (झोपड़ी) की रूपरेखा और उससे जुड़ा प्लेटफॉर्म सामने आया है। यह खोज प्राचीन घरेलू वास्तुकला और बस्ती संगठन की नई समझ देती है। तांबे की वस्तुएं, कार्नेलियन–स्टीटाइट के मनके व लाल रंग वाले मृद्भांड (सेरेमिक) मिले हैं। मिट्टी के बर्तनों पर हैंडल भी मिले हैं।

पूर्वोत्तर के 'ब्रे मेनाशे' समुदाय के लोग मूलतः यहूदी, अब इजरालय में बसेंगे

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

इजरायल पूर्वोत्तर भारत के 'ब्रे मेनाशे' समुदाय के 5,800 सदस्यों को 2030 तक अपने यहां बसाने जा रहा है। इस विषय में विदेश मंत्रालय का कहना है कि बहुत से लोग भावनात्मक और आर्थिक कारणों से विदेश जाकर बसते हैं। यह उन लोगों पर निर्भर करता है कि वे क्या करना चाहते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में इससे जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत और इज़राइल के बीच हजारों वर्षों से सांस्कृतिक जुड़ाव रहा है और इसी कारण वर्षों में लोगों का आवागमन तथा यहूदी विरासत से संबंध मजबूत रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ रिपोर्टों में भारत के एक गुमनाम क़बीले के इज़राइल जाने की बात संज्ञान में आई है। भारत का प्रवासी समुदाय विश्वभर में फैला है और लोग विभिन्न कारणों से विदेश यात्रा करते हैं। यह उनका निजी निर्णय है और वे अपनी सुविधानुसार तय करते हैं कि उन्हें क्या करना है।

उल्लेखनीय है कि इज़राइल सरकार ने रविवार को घोषणा की कि वह मिजोरम और मणिपुर के 'ब्रे मेनाशे' समुदाय के लगभग 5,800 लोगों को चरणबद्ध तरीके से

उत्तर इज़राइल के गलील क्षेत्र में बसाएगी। यह क्षेत्र हाल के वर्षों में हिज्बुल्लाह के साथ संघर्ष से प्रभावित रहा है और यहां से हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले को 'महत्वपूर्ण और जियोनिस्ट' करार देते हुए कहा कि इससे इजरायल के उत्तरी हिस्से को मजबूती मिलेगी। सरकार का मानना है कि समुदाय के बसने से क्षेत्र में जनसंख्या स्थिरता और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि 'ब्रे मेनाशे' पूर्वोत्तर खासकर मणिपुर और मिजोरम का एक यहूदी समुदाय है, जो खुद को बाइबिल में वर्णित 'मेनाशे' जनजाति का वंशज मानते हैं। वे दावा करते हैं कि लगभग 2,700 साल पहले असीरियों द्वारा निर्वासन के बाद उनके पूर्वज मध्य एशिया और चीन के रास्ते होते हुए भारत के पूर्वोत्तर में आ गए थे।

देश के वैज्ञानिकों ने विकसित की नई तकनीक, जिंक–आयन बैटरियां होंगी अब ज्यादा शक्तिशाली

बेंगलुरु, 26 नवम्बर।

देश के वैज्ञानिकों ने ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जिससे जिंक–आयन बैटरियां अब ज्यादा ऊर्जा स्टोर कर सकेंगी, ज्यादा समय तक चलेंगी और पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचायेंगी। यह तकनीक भविष्य में लिथियम बैटरियों का बेहतर और सुरक्षित विकल्प बन सकती है।

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार,यह उपलब्धि सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (सीईएनएस), बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत हासिल की। शोध टीम का नेतृत्व डॉ. अशुतोष कुमार सिंह ने किया।

वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्होंने पारंपरिक वैनाडियम ऑक्साइड नामक पदार्थ को एक विशेष ऊष्मीय–विद्युत रासायनिक प्रक्रिया से इस तरह बदला कि उसकी संरचना ज्यादा ऊर्जा संचित करने योग्य हो गई। इस प्रक्रिया के बाद बनने वाला नया पदार्थ जिंकवृवैनाडियम ऑक्साइड बैटरी में जिंक आयन की आवाजाही को आसान बनाता है, जिससे बैटरी तेजी से चार्ज होती है, ज्यादा ऊर्जा स्टोर करती है और लंबे समय तक खराब नहीं होती।

अब तक वैज्ञानिक कई तरह के ऑक्साइड पदार्थों को जिंक–आयन बैटरियों में इस्तेमाल करने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। ऐसे में भारतीय

वैज्ञानिकों की यह खोज जिंक–आयन बैटरी तकनीक में बड़ी प्रगति मानी जा रही है। यह शोध एडवांस्ड एनर्जीमैटेरियल्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

शोध के सह–लेखक राहुल देब रॉय ने कहा कि टीम ने कैथोड पदार्थ को स्थिर और अधिक सक्षम बनाने के लिए एक बहुत ही सरल लेकिन बेहद प्रभावी तरीका अपनाया है। यह तकनीक भविष्य में अन्य बैटरी पदार्थों को बेहतर बनाने में भी उपयोगी हो सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज आने वाले समय में हरित ऊर्जा और टिकाऊ बैटरी तकनीक को नया दिशा देगी।

इतिहास के पन्नों में 27 नवम्बर : हिंदी साहित्य के 'मधुशाला' लेखक कवि हरिवंश राय बच्चन की जयन्ती

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

27 नवंबर, 1907 को इलाहाबाद (प्रयागराज) में जन्मे हरिवंश राय बच्चन हिंदी साहित्य जगत के उन महान कवियों में गिने जाते हैं, जिन्होंने कविता को जन–जन तक पहुंचाने का काम किया। अपनी अनूठी शैली, सहज भाषा और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के कारण बच्चन जी की रचनाएं आज भी उतनी ही लोकप्रिय हैं जितनी अपने समय में थीं।

उनकी कालजयी कृति 'मधुशाला' ने उन्हें हिंदी साहित्य में विशिष्ट पहचान दिलाई। यह रचना केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि जीवन की जटिलताओं, संघर्षों और आशाओं का एक रूपक है। बच्चन जी की अन्य महत्वपूर्ण रचनाओं में मधुबाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण और खादी के फूल शामिल हैं।

अपने साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण, साहित्य अकादमी पुरस्कार सहित कई सम्मान प्राप्त हुए। वे केवल कवि ही नहीं, बल्कि एक कुशल अनुवादक भी थे। उन्होंने शेक्सपियर की कई कृतियों का हिंदी अनुवाद किया, जो आज भी संदर्भ के रूप में उपयोग की जाती हैं। हरिवंश राय बच्चन का साहित्य मानवीय संवेदनाओं, प्रेम, पीड़ा और जीवन–दर्शन की गहराई से भरी एक अनमोल धरोहर है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1001 – हिंदू शासक जयपाल को आक्रमणकारी महमूद गजनी ने हराया।

1095 – पोप अर्बन द्वितीय ने पहले क्रूसेड (धर्मयुद्ध) का उपदेश दिया।

1795 – पहले बांग्ला नाटक का मंचन हुआ।

1807 – पुर्तग़ाल के शाही परिवार ने नेपोलियन की सेना के भय से लिस्बन छोड़ा।

1815 – पोलैंड साम्राज्य ने संविधान अपनाया।

1895 – अल्फ्रेड नोबेल ने नोबेल पुरस्कार की स्थापना की।

1912 – अल्बानिया ने राष्ट्रीय ध्वज अपनाया।

1932 – पोलैंड और तत्कालीन सोवियत संघ ने अनाक्रमण समझौते पर हस्ताक्षर किया।

1949 – जबलपुर के निवासियों ने चंदा इकट्ठा करके नगरपालिका प्रांगण में सुभद्रा कुमारी चौहान जी की आदमकद प्रतिमा लगवाई जिसका अनावरण कवयित्री और उनकी बचपन की सहेली महादेवी वर्मा ने किया।

1966 – उरुग्वे ने संविधान अपनाया।

1995 – मिर वेनेजुएला जौकेलीन एग्वीलेरा मार्कानो 'मिस वर्ल्ड' 1995 चुनी गईं।

2001 – हब्बल टेलीस्कोप ने सौर मंडल से बाहर ओसाइरस ग्रह पर हाइड्रोजन युक्त वायुमंडल की खोज की।

2002 – बेलारूस के प्रधानमंत्री जेनेदी वी नोविल्सकी भारत यात्रा पर नयी दिल्ली आये।

2004 – अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अध्यक्ष जुआन सोमाविया भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचे।

2005 – फ्रांस में इजाबेल दिनोरे नामक महिला का दुनिया में पहली बार सफल आंशिक चेहरा प्रतिरोपण हुआ।

2007 – पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने अपने सैनिक साथियों से विदाई ली।

2008 – छठा वेतन आयोग देने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना।

नई चेतना 4.0 अभियानः महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 11 मंत्रालयों ने शुरू की संयुक्त पहल

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आज बुधवार को नई दिल्ली स्थित प्रवासी भारतीय केंद्र में 'नई चेतना इनिशिएटिव फॉर चेंज' के चौथे संस्करण 'नई चेतना 4.0' का शुभारंभ किया। यह राष्ट्रीय अभियान पूरे देश में लैंगिक समानता, महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान, डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और ग्रामीण विकास सचिव शैलेश कुमार सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान अब एक जन आंदोलन बन चुका है और ग्रामीण भारत में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आवाज समाज और सरकार के हर स्तर पर सुनी जानी चाहिए और इसे सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज में बेटियों को लेकर मौजूद भेदभावपूर्ण सोच को बदलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" जैसे प्रयासों को आगे बढ़ा रही है। चौहान ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि देश में 2 करोड़ से अधिक महिलाएं अब 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और यह सफलता

स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोई भी बहन गरीब नहीं रहेगी और सरकार का प्रयास है कि किसी भी महिला की आंखों में आंसू न हों। उन्होंने कहा "हर महिला मुस्कुराए, हर महिला सक्षम बने यही हमारा लक्ष्य है"।

शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि बेटियों को नकारात्मक दृष्टि से देखने वाली मानसिकता को खत्म करना होगा और यदि आवश्यक हो तो ऐसे तत्वों का सामना भी करना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि देशभर में "हिंसा–रहित गांव" बनाने के लिए एक बड़े जन अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिलाओं के खिलाफ किसी भी परिस्थिति में हिंसा स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि नशा अधिकांश बुराइयों का कारण है और गांव–गांव में महिलाएं नशा–उन्मूलन के लिए जागरूकता फैलाएं।

संविधान दिवसः चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कोर्ट को बताया संविधान का पहरेदार

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस के मौके पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका आयोजन सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रहे। सीजेआई सूर्यकांत ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि जब कोर्ट को संविधान का पहरेदार माना जाता है, तो बार के सदस्य उस मशाल को उठाते हैं जो हमें संवैधानिक फैसले लेने में मदद करती है। बार के सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वे लगातार न्याय और संविधान के आदर्शों को बनाए रखें।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और बार के सदस्यों ने हमेशा संविधान के आदर्शों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बार को संविधान के संरक्षक और न्याय के मार्गदर्शक के रूप में पहचान दी। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस का यह अवसर उनके लिए बेहद खास है क्योंकि यह उनका पहला सार्वजनिक भाषण है, और इस दिन का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसी दिन भारत के लोगों ने अपने लिए संविधान का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज अपनाया।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी अपने संबोधन में संविधान निर्माण की प्रक्रिया और इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में सभी वर्गों के प्रतिनिधि थे और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इसे बड़ी सावधानी और समझदारी से तैयार किया। मेघवाल ने कहा कि संविधान ने आपातकाल के कठिन समय में भी देश को सही दिशा दिखाई और भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि 2047 तक भारत एक विकसित देश बन जाए।

कानून मंत्री ने इंडस्ट्री 4.0 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान

हमें इन बदलावों का सामना करने की ताकत देता है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल राजनीतिक क्षेत्र में बराबरी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में भी समानता और न्याय सुनिश्चित करता है।

वहीं, एसजी तुषार मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान की यात्रा 1946 में शुरू हुई और इसे केवल कुछ व्यक्तियों ने नहीं, बल्कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा के सभी सदस्यों ने 165 दिनों तक बहस और विचार–विमर्श के बाद तैयार किया। उन्होंने बताया कि संविधान सभा में पूरे भारत का प्रतिनिधित्व था और प्रत्येक क्षेत्र, धर्म, भाषा और संस्कृति की आवाज को ध्यान में रखा गया।

तुषार मेहता ने यह भी बताया कि भारत ने अन्य देशों के संविधान की सर्वोत्तम बातें अपनाई, लेकिन उन्हें भारतीय परिस्थितियों और संस्कृति के अनुसार ढाला। उन्होंने कहा कि संविधान के तीनों अंग (कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका) स्वतंत्र हैं, लेकिन आंतरिक संतुलन बनाए रखा गया है। यदि कोई अंग संवैधानिक नियमों का उल्लंघन करता है, तो न्यायपालिका हस्तक्षेप करती है। उन्होंने आम नागरिक की भूमिका को भी याद किया और कहा कि आम लोग ही इस संविधान को जीवित और प्रभावी बनाए रखते हैं।

वित्त मंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण सेक्टर के प्रतिनिधियों के साथ प्री–बजट बैठक की

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को 13वीं प्री–बजट बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव विकास और महिला सशक्तिकरण सेक्टर के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की। यह जानकारी बुधवार को वित्त मंत्रालय द्वारा दी गई। राष्ट्रीय राजधानी में हुई इस बैठक का उद्देश्य उपरोक्त सेक्टर के प्रतिनिधियों के साथ आगामी बजट पर चर्चा करना था।

वित्त मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गई पोस्ट में कहा गया, "केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026–27 के संबंध में शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव विकास और महिला सशक्तिकरण क्षेत्रों के विशेषज्ञों और पक्षकारों के साथ 13वीं प्री–बजट बैठक की अध्यक्षता की।"

पोस्ट में आगे कहा गया कि इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार शामिल हुए। आगामी बजट की तैयारियों के

लिए वित्त मंत्री लगातार अलग–अलग सेक्टर्स से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर रही हैं। इससे पहले वित्त मंत्री स्टार्टअप, पर्यटन और आतिथ्य और अर्थशास्त्रियों के साथ प्री–बजट बैठक कर चुकी हैं।

इस बार का बजट काफी अहम होने वाला है, क्योंकि सरकार अलग–अलग सुधारों के चलते खपत को बढ़ावा दे रही है। पीएल कैपिटल की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन, अच्छी त्योहारी मांग, नीतिगत समर्थन और बदलते व्यापक आर्थिक माहौल के कारण भारत के कॉरपोरेट्स की आय में आने वाले समय में बड़ा उछाल देखा जा सकता है।

यूआईडीएआई ने 2 करोड़ से अधिक मृत व्यक्तियों के आधार कार्ड नंबर किए डिएक्टिवेट

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय की ओर से बुधवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार डेटाबेस की निरंतर सटीकता बनाए रखने के लिए राष्ट्रव्यापी सफाई अभियान के तहत 2 करोड़ से अधिक मृत व्यक्तियों के आधार कार्ड नंबरों को डिएक्टिवेट कर दिया है।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि किसी भी व्यक्ति को पहले असाइन किया गया आधार नंबर दूसरे व्यक्ति को रि–असाइन नहीं किया जाता है। हालांकि, किसी व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में यह बेहद जरूरी है कि मृत आधार धारक का आधार नंबर डिएक्टिवेट कर दिया जाए। ऐसा करना जरूरी है ताकि मृत व्यक्ति की पहचान का इस्तेमाल किसी भी फ्रॉड गतिविधी या अनाधि.त तरीके से न हो सके।

इसके अलावा, यूआईडीएआई ने इस वर्ष की शुरुआत में एक नई सुविधा भी लॉन्च की है, जिसके तहत मृत आधार कार्ड धारक की सूचना परिवार के सदस्यों की ओर से दी जा सकती है। यह सुविधा वर्तमान में सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम का इस्तेमाल करने वाले 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मृत आधार कार्ड धारकों के परिवारों को मिल चुकी है। वे इसके लिए मायआधार पोर्टल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा, शेष राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पोर्टल के साथ इंटीग्रेशन प्रक्रिया पर अभी

काम चल रहा है।

मंत्रालय का कहना है कि मृत आधार कार्ड धारक के सदस्य को खुद को प्रमाणित करने के बाद, पोर्टल पर आधार नंबर, डेथ रजिस्ट्रेशन नंबर और मृत व्यक्ति की डेमोग्राफिक डिटेल्स को पोर्टल पर सबमिट करनी होगी। परिवार के सदस्य द्वारा प्रदान की गई जानकारियों के सत्यापन की उचित प्रक्रिया के बाद मृत व्यक्ति के आधार नंबर को डिएक्टिवेट करने की प्रक्रिया पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूआईडीएआई आधार कार्ड धारकों को उनके परिवार के किसी आधार कार्ड धारक सदस्य की मृत्यु की जानकारी मायआधार पोर्टल पर रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। मृत आधार कार्ड धारक के सदस्य डेथ सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बाद इसकी जानकारी पोर्टल पर दे सकते हैं।

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, अहमदाबाद में होगा आयोजन

अहमदाबाद, 26 नवंबर।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स–2030 की मेजबानी मिलने की घोषणा कर दी गई है। इस बार यह सिर्फ़ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स महोत्सव होगा। खास बात यह कि इसका मुख्य केंद्र गुजरात का अहमदाबाद होगा, जो खेल जगत में लंदन और पेरिस से भी अधिक आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है।

अहमदाबाद की पहचान पहले ही नरेंद्र मोदी स्टेडियम से वैश्विक नक्शे पर दर्ज है, लेकिन अब इसके आसपास बनने वाले 6 नए हाई–टेक स्टेडियम और आधुनिक स्पोर्ट्स एन्क्लेव शहर को खेलों की दुनिया में नया मुकाम देंगे।

रिवरफ्रंट किनारे 215 एकड़ में सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव बनाया जा रहा है, जहां नए स्टेडियम, एरेना, टेनिस और एक्वेटिक्स सेंटर होंगे। यह पूरा प्रोजेक्ट करीब 4600 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा है। यहां आधुनिक खेल सुविधाओं के साथ गरबा, योग, ओपन बाजार जैसे सांस्.तिक आयोजन भी होंगे, जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों को एक अलग अनुभव मिलेगा।

लंदन–पेरिस से खास क्यों?

1. खेल + संस्कृति का अनोखा संगम– जहां यूरोप खेलों पर फोकस करता है, वहीं अहमदाबाद खिलाड़ियों और मेहमानों को भारतीय संस्कृति की ऊर्जा भी महसूस कराएगा।
2. विशाल और आधुनिक इंफ्रा– एक ही जगह पर इंडोर व आउटडोर खेलों के लिए इंटरनेशनल लेवल एरीना, शूटिंग सेंटर, इंडोर मैदान, फुटबॉल स्टेडियम.सब कुछ एक स्पोर्ट्स हब में मिलेगा।
3. शानदार कनेक्टिविटी– शहर में मेट्रो नेटवर्क

स्टेडियम–से–स्टेडियम तक तेज पहुंच देगा।

प्रस्तावित बुलेट ट्रेन सेवा खेलों के दौरान अहमदाबाद से मुंबई का सफर रिकॉर्ड समय में संभव बना सकती है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट दुनिया भर के मेहमानों को सीधा अहमदाबाद की वाइब्स में लेकर आएगा।

खिलाड़ियों के लिए कॉमनवेल्थ विलेज

–सुगढ़–भाट (136 एकड़) और कराई (143 एकड़) में अत्याधुनिक गेम्स विलेज और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेंगे।

–खिलाड़ियों, कोच और अधिकारियों के लिए लगभग 3000 आधुनिक घर तैयार किए जाएंगे, जिनमें दुनिया की बेहतरीन सुविधाएं होंगी।

–कॉमनवेल्थ गेम्स–2030, अहमदाबाद को दुनिया का सबसे अलग और खास खेल गंतव्य बनाएगा। यह सिर्फ़ मेज़बानी नहीं, बल्कि भारत की खेल–शक्ति, संस्कृति, आतिथ्य और आधुनिकता का शानदार प्रदर्शन मंच होगा।

56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में ईरान और इराक के फिल्म निर्माताओं ने किया शिरकत

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में ईरान और इराक के फिल्म निर्माताओं ने आज संवाददाता सम्मेलन में दो फिल्मों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेंसरशिप आम लोगों के दैनिक जीवन को कैसे प्रभावित करती है।

ईरान की फिल्म माई डॉटर्स हेयर– राहा के निर्देशक सईद हेसम फरहमंद जू ने कहा कि यह फिल्म उनके अपने अनुभवों पर आधारित है और ईरानी महिलाओं के संघर्षों को दर्शाती है। निर्माता सईद खानिनामाघी ने कहा कि प्रतिबंधों ने ईरान के मध्यम वर्ग को कमजोर कर दिया है। यह फिल्म सर्वश्रेष्ठ नवोदित फीचर फिल्म श्रेणी के लिए प्रतिस्पर्धा में है।

इराक की फिल्म द प्रेसिडेंट्स केक के संपादक एलेक्ज़ेंड्रो–राडू ने 1990 के दशक में तानाशाही के अन्तर्गत जीवन को चित्रित करने के लिए गैर–पेशेवर अभिनेताओं के इस्तेमाल का वर्णन किया। एक तानाशाह पर आधारित यह फिल्म युवा लामिया पर बनी है। यह प्रतिबंधों के अन्तर्गत इराक की पीड़ा का एक प्रतीकात्मक पात्र है।

भोपाल में 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

भोपाल, 26 नवंबर।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर बुधवार को 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का भव्य आगाज हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की। प्रतियोगिता में 23 राज्यों के 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इन खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर देशभक्ति गीतों की धुनों पर आकर्षक मार्च पास्ट किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आयोजन स्थल पहुंचने पर कैप लगाकर स्वागत किया गया। उन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ कर चैंपियनशिप में शामिल 23 राज्यों के 500 खिलाड़ियों द्वारा देशभक्ति गीतों की धुनों पर प्रस्तुत मार्च पास्ट का अवलोकन किया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर मालती राय सहित अधिकारी एवं खेल प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध

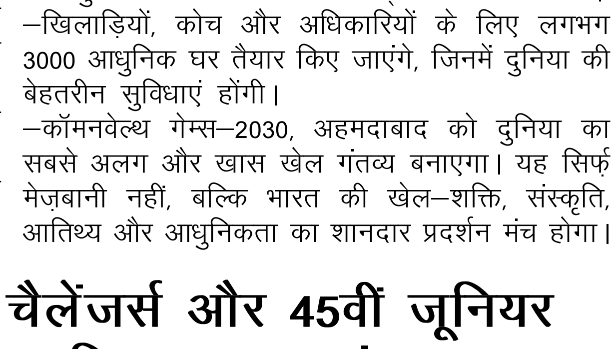

है। खेल विभाग प्रदेश में खेल संस्.ति को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है। भारत की प्राचीन संस्.ति में खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि अनुशासन, संतुलन और मानसिक .ढ़ता का माध्यम माने गए हैं। पुराने समय में नौकायन, तैराकी और जल प्रशिक्षण को सामरिक और शारीरिक दक्षता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता था। वही परंपरा आज वॉटर स्पोर्ट्स के रूप में हमारे सामने है। इसमें तकनीक, सहन शक्ति और फोकस का वास्तविक परीक्षण होता है। राज्य सरकार के लिए रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना गर्व और आनंद का विषय है।

किडनी ट्रांसप्लांट, सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने किया कमाल, केंद्रीय सरकारी अस्पताल में होने वाला ऐसा पहला ऑपरेशन

नई दिल्ली, 26 नवम्बर।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ने अपनी किडनी ट्रांसप्लांट सुविधा में बड़ा मील का पत्थर हासिल किया है. 19 नवंबर 2025 को यहां पहली बार एक बच्चे का सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट किया गया. यह न सिर्फ सफदरजंग अस्पताल में पहला बाल चिकित्सा (पेडियाट्रिक) किडनी ट्रांसप्लांट है बल्कि किसी भी केंद्रीय सरकारी अस्पताल में होने वाला ऐसा पहला ऑपरेशन भी है.

मरीज 11 साल का बच्चा था जो बाइलैटरल हाइपोडिसप्लास्टिक किडनी नामक एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित था. ये स्थिति करीब डेढ़ साल पहले पता चली थी, जब उसे गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल लाया गया था और इलाज के दौरान उसे कार्डियक अरेस्ट तक हो गया था. जांच में पता चला कि उसकी किडनियां फेल हो चुकी थीं और तब से वो अस्पताल में नियमित डायलिसिस पर था.

डॉ. पवन वासुदेवा ने बताया कि बच्चों का किडनी ट्रांसप्लांट बेहद चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि बच्चे के शरीर में बड़े वेसल्स से किडनी जोड़ने और वयस्क किडनी के लिए उचित जगह बनाने जैसे कठिन कदम शामिल होते हैं. मरीज को किडनी उसकी 35 साल की मां ने दी. डॉक्टरों के अनुसार किडनी अच्छी तरह काम कर रही है, बच्चा अब डायलिसिस से मुक्त है और जल्द ही घर भेज दिया

जाएगा.

डॉ. संदीप बंसल ने कहा कि बच्चे का परिवार उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से है और उसके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं. निजी अस्पताल में यह ऑपरेशन करीब 15 लाख रुपये का आता इसलिए परिवार करीब–करीब उम्मीद छोड़ चुका था. अस्पताल प्रशासन ने ये भी बताया कि ट्रांसप्लांट के बाद लगने वाली महंगी इम्यूनोसप्रेसिव दवाएं भी अस्पताल बच्चे को मुफ़्त उपलब्ध कराएगा.

ये उपलब्धि न सिर्फ अस्पताल बल्कि देश की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी एक बड़ी सफलता मानी जा रही है. अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने बताया कि ये उपलब्धि अस्पताल की मेडिकल टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का नतीजा है।